एन एस एस :एक परिचय

डॉ रिंकू शर्मा

एनएसएस (राष्ट्रीय सेवा योजना)वर्तमान समय में किसी परिचय का मोहताज नहीं है। हर एक विद्यालय, महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय में एनएसएस इकाई बनी हुई है। युवा विद्यालय से लेकर विश्वविद्यालय तक किसी भी समय एन एस एस लेकर अपने जीवन को उन्नत और आत्मविश्वास से भरा हुआ बना सकते हैं। एन एस एस का आदर्श वाक्य है " मैं नहीं बल्कि आप"। जो लोकतांत्रिक भावना को दर्शाता है। यह वैचारिक अवधारणा महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रेरित है। जिसमें समाज कल्याण की भावना निहित है। यह शाश्वत सत्य है कि व्यक्ति का कल्याण समाज के कल्याण पर निर्भर करता है। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक लोगों के साथ मिलकर समाज कल्याण के लिए कार्य करते हैं। जिसमें साक्षरता ,पर्यावरण सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता ,आपातकालीन या प्राकृतिक आपदाओं के समय लोगों की सहायता तथा सेवा करना आता है। इन के चार प्रमुख तत्व है छात्र, शिक्षक, समुदाय तथा कार्यक्रम देश निर्माण में युवाओं का योगदान होता है तथा देश को अग्रणी रखने में युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए एनएसएस के माध्यम से हर साल लाखों युवाओं को जागृत वह शिक्षित तक बनाया जा रहा है।

Figure 1
https://www.google.com/url?sa=i&url=https%3A%2F%2Fwww.citylifeharyana.com%2F2022%2F09%2FRadaur-JagruktaRaili%2520.html&psig=AOvVaw1Wv-VF34OSqo7_9n2zEcGC&ust=1687100896582000&source=images&cd=vfe&ved=0CAQQjB1qFwoTCJjK1N_Kyv8CFQAAAAAdAAAAABAQ

आज से लगभग 54 साल पहले जब 24 सितंबर 1969 को भारत के तत्कालीन शिक्षा मंत्री डॉक्टर वीकेआर वी राव ने 37 विश्वविद्यालयों में एनएसएस लागू की। तब एनएसएस में 40,000 स्वयंसेवक थे। परंतु आज इन एनएसएस स्वयंसेवकों की संख्या लगभग 38 लाख तक पहुंच गई है। एक एन एस एस स्वयंसेवी को हर साल कम से कम 120 घंटे सेवा कार्य करने होते हैं ।और 2 साल में 240 घंटे सेवा कार्य करना अनिवार्य है। स्वयंसेवकों द्वारा यह सेवा कार्य अपने विद्यालय, महाविद्यालय, गोद लिए हुए गांव तथा झोपड़पट्टी में जाकर करने होते हैं। ऐसा नहीं है कि एनएसएस स्वयंसेवक सिर्फ सेवा कार्य करते हैं।

स्वयंसेवकों के मनोबल को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा समय-समय पर अलग-अलग शिविरों का आयोजन किया जाता है ।जिसमें सात दिवसीय कैंप, विश्वविद्यालय स्तर का कैंप, राष्ट्रीय एकता शिविर तथा आरडी कैंप इत्यादि शामिल है। कुछ चुनिंदा स्वयंसेवकों को सांस्कृतिक विनियमन के तहत विदेश जाकर अपनी संस्कृति को दिखाने तथा फैलाने का अवसर मिलता है, तथा दूसरे देश की संस्कृति को देखने व समझने का अवसर भी प्राप्त होता है।

दैनिक भास्कर
यमुनानगर भास्कर 10-08-2022

ग्रामीणों से अपने घरों पर तिरंगा लगाने की अपील की

रादौर | हर घर तिरंगा अभियान के तहत मंगलवार को शहर के ज्योतिबा फुले सरकारी कॉलेज की एनएसएस इकाई की ओर से गांव रादौरी में जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें एनएसएस स्वयंसेवकों ने गांव के लोगों को बताया कि आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष में सरकार द्वारा हर घर में तिरंगा लगाए जाने की मुहिम चलाई गई है। स्वयं सेविकों ने सभी ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने घरों में तिरंगा लहराएं तथा 15 अगस्त के बाद भी उस तिरंगे को संभाल कर रखें। कार्यक्रम में एनएसएस कार्यकारी अधिकारी डॉ. रिंकू शर्मा ने अहम भूमिका निभाई।

Figure 2
https://www.google.com/url?sa=i&url=http%3A%2F%2Fjpgcr.ac.in%2Fnews_events_details%3Fid%3DSRIvhxy5asQ%3D&psig=AOvVaw1Wv-VF34OSqo7_9n2zEcGC&ust=1687100896582000&source=images&cd=vfe&ved=0CAQQjB1qFwoTCJjK1N_Kyv8CFQAAAAAdAAAAABAw

एनएसएस स्वयंसेवकों के उत्साहवर्धन के लिए राज्य सरकार तथा केंद्रीय सरकार द्वारा पुरस्कार भी प्रदान किए जाते हैं। जिसमें डिस्ट्रिक्ट अवार्ड, स्टेट अवार्ड, नेशनल अवार्ड दिए जाते हैं। और विश्वविद्यालय स्तर का इनाम भी दिया जाता है। इन पुरस्कारों के तहत स्वयंसेवकों को नगद राशि तथा प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। एनएसएस के माध्यम से आज के युवा अपने जीवन को और अधिक सशक्त तथा कल्याणकारी बना सकते हैं तथा अपने जीवन को एक नई दिशा दे सकते हैं। सभी युवाओं को जीवन में एक बार राष्ट्रीय सेवा योजना का भागीदार जरूर बनना चाहिए।

"लोगों के जीवन को उन्नतशील बनाने हेतु जब उन्हें उत्तरदायित्व सौंपते हो , जब तुम उन में आत्मविश्वास उत्पन्न करते हो। जिसके अभाव में वे कुछ भी नहीं है। जब उनमें आत्मविश्वास उत्पन्न हो जाता है, तब हमें अति कठिन परिस्थितियों से भी जूझकर उनका समाधान कर सकते हैं। और इनमें यह आत्मविश्वास जागृत करने के लिए आवश्यक है, कि तुम्हें उनकी राष्ट्र निर्माण की शक्ति पर पूरा भरोसा हो विश्वास से विश्वास उपजता है और प्रजातंत्र कब पनपता है जब जनसमुदाय विशेषकर समाज के कमजोर वर्गों के लोग पूरी तरह तथ्य को स्वीकार करें।"

-स्वामी विवेकानंद

About Author

डॉ रिंकू शर्मा
एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी, सहायक प्राध्यापक, रक्षा अध्ययन विभाग,
ज्योतिबा फुले राजकीय महाविद्यालय रादौर यमुनानगर (हरियाणा)

Dr Rinku has completed Ph.D. in Defence Studies from Barkatullah University, Bhopal (M.P.) in 2019, qualified NET in Defence Studies and serving the community as Assistant Professor in Department of Defence Studies, Jyotiba Phule Govt. College, Radaur Yamuna Nagar Haryana. She is NSS Officer and awarded with “Appreciation Certificate” by Sub Divisional Magistrate, Government of Haryana for outstanding work as a NSS Programme Officer on 26 January 2022. She is life member at International Council for Education Research and Training (ICERT) and Life Member of M.D. University Alumni Association, Rohtak. She has presented 30 research papers in National and International Conferences, and published 25 research papers in various journals.